

वजाटस्यैथललालनवभादमहायनीकुअनाजकादाववीआकनअक॥वेसंयाअ
 नउवाच॥॥॥नजाजानुवआमीकथयामिनसंगय॥नकयासर्वदवकुंन्यादेत्यासर्वेमनी
 ॥॥वेसंम्याअलीमीनकाजा॥दमहाजाजानमत्रय॥॥ललालसकुसंदहंमदयकावका
 नदकन॥॥कुक्रयासमयससमसुदवंदेत्यमनिवकावदवदागंसयावजाडअमीयनी॥
 ॥॥वकादीमवय॥॥सर्वेवेओवेओहृलथनीवीकुदवसमायुकाजवीचन्द्रावीनायक॥
 तथसजस्यतीगमकलवलातअहिर्गंथवीचगनासर्ववनस्येतिताहवत्॥॥तपुग

हामनी (हृदय) दव विना ज द ह थुन स हृदय दव ना ज द ४ वा क म ठ वीत ॥ ना ज द
 उवाच ॥ ॥ वक्रा आदीन सम स म विच नु व द स व व नी वी म् स ही त न व द हृदय ग न स
 सज सती गं ग काल दी ग द व ता ॥ गं व व ग न स म स व न स ता द व ता द क म द व ना ज थ ना
 वा द व ना ज द न ही म द व आ दी न द व म वि स म स न म स का ज आ द व ना ज द न द्वा रा ॥ ॥
 ना ज व उ वा च ॥ द व स म क ज ना म उ क वी म् म ह व र्ज य वि वि ज स मा ज आ न र ता न
 र वी म् मि ॥ ॥ ह व क्रा वी म् म ह व र्ज य वि वि ज थ द ज आ म व द र्व म र्ज द थी व म म्

२
५

द स चा द म द ॥ ॥ स र वा दी त्रि ना का (आ) म म गाल व र्ज न त स स र्ज स मा ना सि अ म्म य ता
 य वि वि ज ४ ॥ ॥ स र वा दी न म म द्वा म्मा सा अ म्म म्म स त व आ द व चा द ॥ ॥ त स स र्ज स मा
 ना म्म अ म्म य ता य वि वि ज व न्म व्ज व ह वि च द्रा वे ला व न व लि स ॥ ॥ न ल आ र व र्ज मा आ ता स मा द
 क्क य (ग) य (ग) ग र्ज स र्ज स मा ना म्म त न स र्ज न का र व न्म ॥ ॥ य वि वि ज आ स मा न स र्ज स र्ज म द्वा
 म्म सा का य व न्म ज आ द वि व द्वा ज आ व ली ज आ वे ला र्ज ज आ न ज ज आ न ज आ म्म ज आ मा आ ता
 ज आ य ग य ग र्ज स र्ज वि वि ज वि स र्ज व न म व म द्वा ॥ ॥ थ थ ना ज द आ क ग्री न क ल न आ द
 थि।

१८ दत्तात्रेय उवाच ॥ वेदाया अनमनी न जातान मज्जमकानां ग्रावदका सत्तं नूनं श्रुतं दद
तात्र कावकानां ॥ ॥ नर्वं ह्युवाच गोवाक ॥ अमो विदुर्मेव जीर्णं कनचू येन यश्चामि प्रम
ह्युवाच ॥ अमो नवाया च श्रुती श्रुतं न ददाव ॥ अमुं न च यन अका
यश्च विविज जाजा असा जवान अकाव ॥ ॥ वीचीतु अमो जा अश्च श्रुता सा मही ह्यजानी ३
महं राजन यद्वं जात्रा यती य वि विज ॥ ॥ वीचीतु अमो अजा अजा असा यश्च श्रीम
न ह्यश्चामात्रा मद्र सा ह्यराज न यद्वं अकाव श्रुतं न च यश्च अमो असा यद्वं ॥ ॥ अमो

वाल्मीकि उवाच ॥ अनी वा कीर्णं उक्ता ददव ताक मूत्रार्थं च ह किना यज सवाना ॥ ॥
श्रुतं लाक मूत्रि सर्वदा जदा जवती हती ॥ नामो लीधाय च ॥ अहं सु विप्र दर्शन ॥ ॥ अमो
न च ददं श्रुतं जदा जस वा द सा जानी मे ज लाक स म स लोके न वे २ अदहा न वि विजि ॥ ॥
गुवन मयै ला क मूत्रं सा ज नु वद ह्यगं न क का ॥ अश्च व लुनी अमि का टि स मा य मा ॥
॥ गुवन स म मूत्र ला क स र्प मा य स थ थि द द ह म स्वा दा अकाव अमो न श्रुतं न च सा ला ॥
॥ न क का अश्च व लुनी अमि का टि स मा य मा य लु मा ह्यी स मा आ ती स र्ज का ती स मा य र्ह ॥ ॥

श्री॥ गंदादसत्कालाथभक्तकाटिग्रीमियावाप्तयुनायोजयुमाथभक्तकाटिहृत्कल
वथगता॥ ॥ ज्ञानदाजमृसंघाकृतोदाजमृदुक्तग। कथ्यतद्वर्न। शुद्धं नृदीवाकृतगात्र
वाग॥ ॥ यथादिजयादाजसत्थनकजवादावभर्मेनदालयालयाकठना॥ ॥ स्याद्वच
लदेभर्कभसाव॥ ॥ वरुणमकुलदर्शनीसर्वसाधुवीजातनजाजाकार्यमृदुनय ५
तीहाजयसादय॥ ॥ दाजयाजनदाजा॥ ॥ ज्ञानावासाकद्रुनकेसादानविप्रवाटका
याकृत्समस्तुवापीकथायनातथलका॥ ॥ साकथनभर्कदाजयाजनभसावरागमपनन

तासावभर्ज॥ ॥ शमपुनउवाच॥ कृतावाज्ञाताथगाकृतावाकिशमागमंयानीनेवमज्ञाना
मिथुभदिजसमंदिजंतेलाकृत्सुचवासाताममयगुप्तमदिजंकथाकृतज्ञानापीजाउदाजपमा
गनी॥ ॥ ॥ अथवाजगमानवयाकृत्सत्थनथगुरुग्रीयुमिदिजमादलागयालाअमशिया। ए
ममयथागालसंयथाकीभर्मेयाकाययुभीकीजथथिठकायाकृत्स। च्चकाजननमपीयका
चवीजाजमयापीजाउदाजसकायाभकावशमपुननचाअलहता॥ ॥ वाअयउवाच॥ ॥
रजिगदसाउनानीमद्यगदस्यदोदपीदागालादानगदस्यतेलाकृत्सुचजाचय॥ ॥ अमपीमभीसह

ग्रन्थान्नामकनस्यदोनदीनर्तुगतकनकजातुमूरुमिडिजस्यमदिर्ज। मरुआवर्कनजातालुगी
 वाकवदामर्ह। इअर्थगतादाजचाहालायतीमरुर्क॥ ॥ एजीगदयाउनकांनगा
 यदगा। मययागदत्रिमनयाउनगायकादागायादानयाद, गदगिरुवनसंचजत्र
 वजसमसुस्यनीसवा। गवकायाहालसचयचादाल६६००ममीगनवाकननीयनीयं ग
 ल्हाजसयउनयाचकवमयनवागमयकाथरुदिनयागाअयाअयामृतयदाअवीसीअ
 द॥ गत्रगानययकनयमात्, इथादचाअलसुंमागयवह, मवमदथविदचाअलसुंहालस
 नी।

यानवलाअव॥ ॥ **लीमसनउवाच** ॥ वाकनकगीयविनीअमीसुडा। खेवचदुर्भर्क॥ नगा
 नीयलेहीनमीकथंदर्शनकीरवत्॥ ॥ **चाअलस्यमूरुदक्ष** मीमेतीदीवाकनीयदी
 सीराअनखेवसवजाहानमाचजने॥ ॥ **लीमसनअजा** ॥ वाकनकगीवेअसुदयता
 गोगवाहीकनमवेयाअलसायायाकुहलकुइयव॥ चाअलयाइहालसायाआहीसुयेसाया
 नगुनीयगुवीगुइयवाचाअलवसीरायानायादानहानयादानगुनीयवीगुइयव॥ ॥ **चाअल**
लउवाच ॥ मकलचासीममर्कसुखदुखसमानगहायकुडियमकनर्ककथंवलुचगु
 रवेत्॥ ॥ **चाअलनआसा** ॥ लीहीदगुलंडथासुखद४ इवीउअर्लकुंदिउअर्गथनयगा

आनइला ॥ ॥ ^नयम ^नवाच ॥ उल्लेख्यदमधर्मा ॥ गमयासी काले गमथा समानस्य
जीवनस्य अस्मान्जीवजीत ॥ ॥ यममननअला ॥ ॥ चाल्लेउवाच ॥
॥ नाचकः विमूनः विवक्तव्यदय मगानी ॥ चलालाकनचा अलतय अम ॥ गीरी ॥
चवथा अर्थ वदाय सीयली मूर्ख की साहीनस्य आवीया सायीचा अलउचन ॥ दनसूची ५
वीनारा की या दोय काल्यनवीना अदृष्टदव गमवीद सायीचा अलउचन कलाला की लया
नन बुा केनी गमननच वदा कलवीचालन सायीचा अलउचन ॥ कृष्णना ही मूर्ख सखा मूर्ख

अदृष्टराजनं नव गृहीत्या आवीया सायीचा अलउचन मधू मही कनमर्क वन अ विवदा
वयन गमेवा द्यायीवीया गेन सायीचा अलउचन ॥ मातलवीगत च्वेव वक्तव्ये लवद्वेता सु
अन की अर्थ सायीचा अलउचन न कला जलदाना दिगिह अवेव मेथुन मी कान मूर्ख
गमर्क सायीचा अलउचन ॥ गमअनचरु अवेव याक वेव जला अर्क वी द्या वि विचन गम
न सायीचा अलउचन ॥ विवाहा चय अनो सि सुत अच कल गना वीना दाखयसी या गा
सायीचा अलउचन ॥ नकयती दया राजी मक गहनया लय न कय का मक मुर्क सायी
वी अलउचन ॥ दू ^ननायल खनी गीती अ गृह मोहन ॥ सी यम की च रा का वी सीयीचा

अत उचते ॥ असा कर्मनदाता जायति मरुर्कानिला सा विदुः नयन सायी चालु
 उचते ॥ अक्षमनवमसासन ॥ जीवुर्कचम विगी असाह ह्यामहा यायी सायी चालु उ
 चते ॥ यक्षी नीका कचालु य सु चालु गदेर ॥ मनुष्या काय चालु सु चालु नी
 चक ॥ गदेर गदेर यनी हात य विदित सा मायती वाधुल स मूर्ख दक्षा ॥ गच्छी कनू
 नला धिय ॥ सीमसना नंद सुखा चालु स ह्य रा सीर्ग अगाव च न सुखा चालु
 स ह्य रा सीर्ग मार्ग गा अगा गा सा सी जा उदा मान यीयत ॥ ज्ञाना नी अ सन व ॥ १८८

१

विदुः नवा भिय ॥ चालु न आला ॥ नी दा याद जा उ का का स्वा वा याद जा व का याद
 लम भिय का दाम सलारी का थय का कन चालु आ यदा का का जगी चालु आ य रु
 दू चालु ॥ स आ हीन का वा कन वद म स व का वा कन क्रिया कर्म हीन थ का थ का चालु
 ल रु दू चालु ल थर्क वाम य स मा ल म ह्य स अ न व का रु नि म स स न व का थ का थ का चालु
 अल रु ग थ चालु ल इ ला ॥ श्री कृष्ण अदीन द व आ स्वा ज म व स अ न व का थ का चालु
 रु दू चालु ॥ वा कन म व कान क विल सा याद दू गाना वा कनी व थ स ग ज व द या अ द ल वी चालु
 ल या गा थ का थ का चालु रु दू चालु ल थ या ॥ त य स्या म या स दान का थी व का सी क आ ला सा

^{या ॥ ३ ॥} ^{वा २} ^{या २}
 दानकाव का सी कदल शूननवका थका बा क न धका वा अल आय ॥ क हि व द्या ल नी व न या द्या
 क का व न स म त व का सा वा व मा र व का थ का थ का वा अल अ दू या ह न वा अ ज म लो ॥ मा म व
 व व ल म दू आ ० आ थि ख दा व स वा म या क का का य थ का वा अल अ दू वा अल ॥ नि स का ग व थ
 न म या क मे थून श दि न सा क ली ड व पु थ म या का ग न व का थ का वा अल ॥ स या द्या स जाले ला ८
 य म गान क का व श ल अ दू व श ल ॥ बी वा हा या ड र का या ली कू ल व न क का सा रा य मा न श या
 व या द दा म म द य क नी ले ता व का क का थ का वा अल अ दू या वा अल ॥ या ला म ला ~~का~~ थ
 या ॥

^{य कि स का म वा पु न ॥} ^{नी २}
 ग स द व गु धो नी य र ग या क का य ल अ र व श ल य लु स म दू वा अल म नू वा पु का म वा अल ॥
 स म क या सी नी वा अल अ य थ य क मे ग ल ना व म व के मे या क का स म क हि नी डा या क
 का थ का थ का वा अल ॥ अ वा अल या कू ल स ड स आ का का या वा अ ज के मे मे आ डा श हा वी
 ना न अ दू वा अल अ के अ या व ॥ दू नी दू नी दा ल या ल य मि धि ल या क अ का वा अल अ का
 दा ल स जो ड द व ना या ला हा व वी आ दू न अ के अ व अ या द हा व ॥ शी म स न न थ र वा स र
 ख व ल ल या व य मि धि ल या क वा हा व री म स न न ० ना य या ना ह म दा जा अ य मि धि ज अ
 क स दा ल स वा द वा अल न न ना ना स य म मे वा हा क कू ल या ल य न या ला जी व ला ना या ला
 थि २

वलानायाला दानदा म दम इ॥ १०॥ कान श्रम कान मला डा कानायाला दान
 दाम धर्म ली मसन नयु मिष्ठिल माहा जा अया अगु मनु योता ॥ ॥ युमिष्ठिल उवा ॥
 ली मसन म हापी डी वा हा किम ये अगर्त लया ॥ लकि का र्येना मम हत गा वा क निव दन
 ॥ युमिष्ठिल नली मसन या क अला अय ली मसन म हा वो हक कन कू आ थना वया आ माया वो
 स्वा आ काला आ माया ना म कू कू आया काल न थना वया धका व ददा ॥ ॥ ली मसन उवा च ॥
 ॥ इत्युना अ नय अ व ह्ये या दडी कथ आ म ह्ये वा ल अगता दा न य था वा क नी व द य न ॥

ल ८

अ न क वा य म यं क लान मा न म म हा ल न । अ नी ध आ ग ता दा ल अ गि वी द्या न जा मि य ॥ ली
 मसन नयु मिष्ठिल या के गुं ना य आ गा ह म हा ला ज व ह्ये न क द द न ग । थ डान काला अ थ अ
 न गुं ना य ॥ अ न क वा द वि वा द स्वा द्वा क थ को मा हा ला म ह्ये वा दि या गा न म कान दा ज
 म या द अ मा न अ गि वी द्या व न थ था द का वा व ली न म काल या अ अ म्य धर्म ली मसन न द्वा ला ॥
 ॥ युमिष्ठिल उवा च ॥ कू हा कू ही य न ॥ कू हिं म ह्ये वा स व का द ल ॥ वा य अ ग ता अ न धर्म
 ह्ये ली मसन या ॥ कि द म्य गि म नू खानी सर्व ग पु कु वी हा न द ॥ दा ज नि व गी जाल कि प्र य ह्य

देकादल॥ अथ रा मयनर्वा जहन अन आवा ययुगुह अमोयुगुअ मययदू सायसु गामु
 सवननकु शमादा लस याद ना म कु चय गधिठ अर्क ॥ ॥ रा म सन उवाच ॥ काकः का किलव
 लुना कुचय ॥ ज क ला चन । ल व गी व मूर्द्ध क ग वा क वेव म अजना ॥ रा म न ॥ अ ला का स्व का कि
 ल व लु म रा द प्रय द्वा बुद्ध मिश्रा ता हा व ग ल आ ग सा द्य क ना हा या ह वा द व च न अती का म ल अ
 क ॥ ॥ अ वि छि ल उवाच ॥ ग र्ध ग र्ध द ला चा जी वा अ ला द्या य क म ना अ द छि दान म क च क
 अ ग ह्य ह ग गा ॥ अ वि छि ल न अ ला म अ क व द्वा व श मा वा अ ल स सा य अ द ना वा थु का

10

थधिदवा अलग (धक्क) सवला ॥ ॥ रा म सन उवाच ॥ अथ अगता द्वा ज की क
 ली त अ य द्वा सि । य धा न का ग धा दाने य रु अ म म विधी य ता नि त ह्य द नी त स्य ह्य
 खाने व क दा च न । म हा द रु मा हा साने स य स ह्य न जा भिय ॥ रा म सन न अ भि छि
 ल काना ॥ ह न ना भिय । दान म अ म त व या व वा द्वा द्वा य कू ल नी ल नी ल वि वा स या
 य द्वा य ध म रु का दान वि य मा ल लू य म ध धि य रु स व वे ध क य नू य गान
 ली म र वा द्वा ध यार्थि स ह्य वा दि सूर्या म र वा द्वा म हा त व रु नि ध्य त व धा द ना

साध्यानीष्ययन २ यथा अनसयाधक ॥ ॥ य विष्टिज उवाच ॥ कस्तुतागताः
 दाजकृता वा गृहमागताः ॥ यथा लं दयाया कृतता वा कृनी वा दयगो ॥ हरी मच
 न संजना वधका गनां वला सुया कृता ना गथन जा अहं दा जरा चाने वला ग ॥ थ
 च न स्यात्प्रथम न मा ल को द दा व य क नं दा धक ॥ ॥ य विष्टि ज उवाच ॥ ॥ य विष्टि
 न द दा व वा ल ल या क क्रा या व वा ल ल व य विष्टि ल व ना या जा त क लो ॥ ॥ य विष्टि
 ल या र वा ल वा ल ल न र वा दा व अ नी ह र्य मान या दा व द्वा ज ॥ ॥ य विष्टि ज उवाच ॥ ज
 के वा ॥

०० हं मीर्ण जा २

त्रा व व श्र व धना जा जा व द्वा श्र व द्वा क धिना मा ता ग य न ना श्र ग य न ना श्र ग या ग य ॥ या सा थी थी
 म द्वा का यां ति र वा ला ज ॥ मा प्र व द्वा म द्वा का या मा म व द्वा ज ॥ म य म द्वा का या ग य न य स्या
 ॥ ॥ द्वा लं व ल ना जा वा द्वा व ज व द्वा न ॥ म य स्या व ल मो न ल व श्र न र्ग न क जा व
 ज ॥ व ल म द्वा का या व ल ना जा वा द्वा न या व ल वि द्वा म य या व ल न न म वा हं य स्या
 व ल र स र वा का य ॥ ॥ वा ल ना अ द न व व स्या या व व व ल ॥ य विष्टि ना व ज मा का शं
 मि न स्या उ द क व ल ॥ म य स्या व ल स्या च ॥ ॥ हा या लु न न न ॥ वा ल र वा व ल र वा यः

वसुधायावत्तुल्यं वल्लभं यथा कायावत्तुल्यं कायावत्तुल्यं लावस्यं यथावत्तुल्यं स ह
 यावत्तुल्यं जायायाकायं ददा ॥ ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 तदानीं स हर्षं यादूनं दूतं न ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 धनं कनकं च यथा दूतं लयाता दानवीयं स हर्षं स ॥ ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 लिखितं अथ अनाथं विष्णुं स हर्षं स ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 नवीयं स हर्षं स ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥

१३

लक्ष्मिस्तुल्यं लयाया ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 अनाथं न ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 यादूनं स हर्षं स ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 नी ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥
 यावत्तुल्यं स हर्षं स ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥ अथो धर्मं मया धिगच्छेत् ॥

ममननचग्रलखादवावजात्रयुषिष्ठिलयात्रुग्रसुखनकाला॥ ॥ राममनयास्वा
युषिष्ठिलनधला॥ ॥ युषिष्ठिजनधला॥ यस्मै श्रेष्ठमहनामी कसिन्कालमूलानात्र
नीधगागमादाजकथमवयुयुग्म॥ ॥ स्वकायाहसत्रमदशिवधमसमदशिवदास
नीधवयावचानीवधवलसगधयायवकावधवशमाचाभुलयाकदवाधक॥ ॥ १३
युषिष्ठिलनकाकाइवाचाभुलयाक राममननहाला॥ ॥ पाभुलउवाव॥ अनयानादिका
श्रेष्ठकदमूलरुलानीचगधवधुसुविद्यायुनीधवर्जदायक॥ ॥ अर्चशदीनमानयदार्थ

सहिगनरुतकनसमासुचीवमृशनीधयागावीयानसुर्गवानीव॥ ॥ अनीधदालनी
ठनिश्रान्मागहयुशउनीउदकवासुर्जयीलातुलागमामासहकन॥ दाजसमृनीधवयावका
लउयागारिक्कामवीसथमनयावचानीवडागुलत्रनगमामासवगुल्यलाखमूलावगुल्यधक॥
अनीधवीमृश्वयागिविमृश्वविरुदवना॥ कानीयुजावीनश्वनीबुद्धहयावदयद॥ दालस
अनीन^{का}यावअनीधववीश्वयादावसुर्गसवाढविरुलाकवीमृशुलाकानीयुजायादानरुलम

इयजाकनलत्वाक हयालागा ॥ ॥ दवाचनरावहनसत्यहानदयाकथा विनात्रगी
थयकननयनसर्वगु निरुल। जोजावायिचवाला सगु वायिगु दानक। वासुदवसमा
धामातित्रगी धसर्गसंकुमः ॥ रावमदूकायादवयूत्रा सत्यदूकायादयात्रीगी धत्रया १५
गतमदूकायायक सप्तथयसामुसंयन्यायानिरुल ॥ इशरसाया अलइलसास

३३ लसा मासववुइलसीरुगकाववाठकाइलसात्रगीधदालसववकाशानालाय
नवउगीधकत्रगीधनसर्गवानकीव ॥ ॥ नगजचठहवाधनडायुक्कननीगठ। अ
वर्चयस्यदकाचगीधस्रानरुलरवत्। मनुहानंदनयनगुर्वेवगिलीवीना ॥ मगुवगीच
यकन्यादहनसकमंकुल ॥ नगलसकसत्रधवागीधस्रयुर्वत्रगीधउवांठावगीध
सस्रानयादरुलजाक ॥ मनुहाननशद्वगीयायक हाससमदयक निअ० यानमगु

मन्त्रवक्राप्रिप्तान्धननक्रं क्रमगुलकुलरुमयायीव॥ ॥ नकुलावाधर्मिर्ज्ञे लाय
जीवाप्रानसूकजः॥ ॥ स्वामय्यीगदस्य कनकनयागुनसूदाति॥ नडालचाहृदमावि
चा, रवीचाइलसा, रुइलसा, शुभमयेयकूयागदनल्याधलसलययकानसर्कसूदइ
यूधक॥ ॥ धनंवाअलयाकंददाव, रुइलसचादावयूधिलनन्यादसदयकला॥ ॥
॥ यूपिठिलडवाच॥ कथंउयदीयु शुभमये, कथंमयेयवर्हता, कथंयथायनधर्मक

१३

नशयुगधनकल्यानयकादयका, चूर्नकल्यानशयुगधनकल्यानयानीव॥ ॥ ॥ नगी
थउवाच॥ ॥ वक्रानकल्यानदयकलावक्रानकल्यानवीला॥ वक्रायाकलागयाकह
कल्यानधधनकल्यानयाना॥ ॥ यूपिठिलडवाच॥ चंडयवर्तदयन्याकथयून्यज
वीरुथा॥ कथंगीर्थयुसंगनकथयून्यगुहसुथा॥ चंडगुप्तयाकुदय, सुय्यगुप्त
याकुदय, सुय्यगुप्तसगिलकुयून्यागीर्थकाटियून्य, कंदसलकडियून्य॥ चंडयव

लक्ष्म्यन्यदसजदजविह्वलाकथनीयं (गन गृहलक्षसहस्रक ॥ ॥ अथिष्ठिल
 उवाच ॥ कियुन्ययमनास्रानां गंगस्रानयकिरुलंगया यिषु यदानन (गम स्यात्त्रिभुव
 व ॥ यमनास्रानयादायादूरुल (गम सती सहासयादायादूरुन्या गंग स्रानयादाय १३
 दूरुन्या गया स यिषु ० यानदूरुन्या ॥ ॥ अतीथ उवाच ॥ वाजान स्यामहायुन्या यदि श्लाघनी
 मेल गया यिषु यदानन त्रिहृ स्वर्गययदु नि। युरुचक्रियनमार्द्धि तुक रवनि का टिका ॥ गम

मयमनिमागु अह्यगलाकयुगदु ति ॥ माहायुन्यावासाना स्रानानिह्वलक्षलक्षगया
 स यिषु ० यान यिषु लाक स्वर्गवाना। युरुयादावमार्द्धि यादान का टियु कालन रुकि दू
 ला। गम सति यागीत सहासयादान स्वर्गवाना ॥ ॥ अथिष्ठिल उवाच ॥ यस्यायिता गृहना
 क्तिन। येवच। गमा रुमिक धर्वेव। सुखं जमी गृहयुश ॥ गम कायी दू सप्तमववू मदल ददा
 किजाक हतगा मदल दू सप्तमववू मदल ददा ॥ ॥ अतीथ उवाच ॥ वृद्धिमाता यिताय स्राना

मयजायन। दयाप्रहादलयस्यसुखं सा निष्ठहरवर्ग॥ मममदुक्कायामामवृद्धिववम
दुक्कायावदुक्कायानदयाकाशमदुक्कायाददीकीकाशमादुक्कायसुखकोमल॥ ॥ युधिष्ठि
लउवाच॥ कनककर्ममहादुःखं कनककर्ममहादुःखं कनककर्ममहादुःखं कनक
कर्ममहादुःखं॥ दुक्कर्ममम॥ ददुस्त्रिदुलाकु कर्मनमहासुखीदुलाकु कर्मनम
हं वासुशु यनाकु कर्मनउ॥ थं ड॥ थं वासुवला॥ ॥ श्रीगीतडवाची॥ दवयुका

नकरुवातनयुनमहादुःखं। श्रवदाननकरुवातनमहदुःखं॥ दवहकएवम
दयान॥ दुस्त्रिदुलाकु श्रवदानमयादानमहदुःखं वासुशुलायलमुयलधनलाहनवमुका
यानश्रयालननकएवानाथका॥ ६॥ थं ड॥ थं वासुवला॥ ॥ यलमुयालगावनला
ह॥ थं सुवमवव। नलायानिमहादुःखं म॥ सुगहदुःखं॥ युन॥ दवमानययादान
धर्मदयानसुखदयानधका मनुष्यानामादानसुखिदुला॥ ॥ शुविष्ठिनउवाच॥

कतित्रंगुलमाकासं कती गगनतालेन ताजका। कथं मय दय द्वाजा कती ह रुवर्ष
धला ॥ आकास ग्वलज्जु गुलदता आकास सगुमन दग्दता। मयन लंख अजा म
नला थय थिखल दता ॥ ॥ त्रुती थ उवाच ॥ आकास थला गुलदता आकास
मन गतिन गुलदता। मयन वा मत क याता ग्वली लाख अजा गुला ला अजा क्रि
धल गला थ थिखल दता ॥ ॥ इ थि थि थि थि उवाच ॥ मा गुलय दिवा क न्या वि
ता यथ कुमाल क ॥ इ हि वा क उ द ग्वला क स द ह स म रु व ॥ ॥ म का यी मा म म द ता

वदुवा लख ग्वका या स जा न न ड थ रि इ ला थ ग्व उ का दा ॥ ॥ त्रुती थ उवाच ॥ ति
ल म थ य थ गेल का क मे थ द ता स न ॥ इ थ म थ य न च वे व स न च वे व म दी वी ना ॥ हा
म ल स ग थ च क न द ता मि स म ग थ वा ना ॥ इ दू स थ ल वा ना थ ग थ स न द व द्वा मा ता ॥
॥ ॥ य थि थि थि थि उवाच ॥ त्रु मी का यी व व ला या द व म्म नि थ थार व ता ॥ त्रु ह ल य म्म र मि थ
त्रु ती थ स ग रु म म ॥ हा म या दा व ल स त्रु ती थ थ द व ॥ इ यु ज न द ये दा या य आ ग्य इ व
व रु क ता थ न का व दा ल ॥ ॥ त्रु ती थ उवाच ॥ न थ य व म य र का क दा ला के व

२ राजन। जात्रा गृह नरा कदादायाधिविवर्जित ॥ क्रिया गमलनवनकमनया
 प्रवयाकमनया वीरवन जात्रा याकुसमनया जहा दिनमवूमनयानदायमद
 ॥ ॥ शुभिष्ठितउवाच ॥ कनदारवनराकवावीनादायविवर्जित। सहमुवित्रुम
 सीनारुजतवगृहमम ॥ इकचुदायदयासमनया विनादायमगेधमनया। चय
 चादालमविदनीयननीयकेकलायुक्तनगधमनयधया ॥ ॥ अतीधउ १७
 वाच ॥ लाहमूमाहितमायानचतिष्ठकिलवना। तेलाकंमाहीगमायाएएए
 हिनलाधिय ॥ लाहसमायानमाहयादतलाएवसमवादमायानस्येगम

ह्ययातालसंश्रुननयाकहमहालाउनिश्चयनधरवातस्यसहयक ॥ ॥ जात्रायतिग
 हं धालंवीमसादसमायमा। वृत्तमासवलंशकानवजात्रयतीगृह ॥ जात्रायति
 गृहकायमाहाधालयसयासवादधद। काययातानयहिदलात्रायतिगृहका
 यमहिद ॥ ॥ नद्यानीउलसामुदयाययुस्यनृयंगृह। तस्मान्नराजतविद्यागुममकु
 नसूदोगदगखानसमाचदिदसंचगासमायउ४। दसयेउ४समायस्यामानृय४॥
 सुसिधतसमसुमाहावसमृदसवानीवधताधसमसुयायप्रदावजात्रायाकुसवानीव।

धपनीमिहिनउनग्रनकमनयालीश्रियनीसननयागुलग्रनमनुनशीलुवान
कयवउनमरुया॥त्रिकामाश्रिवावमीपादकावउतिजीकाकासिपावककाश्रना
मिमिजनवडति॥त्रिकामाश्रिवावमीपादकावउतिजीकाकासिपावककाश्रना
जावकावडती॥पुष्टि॥उहिसयमुलंदिवांमंकानामेवनयति॥गगोगवगहपुवन२०
चतिष्ठतिवाकना॥गगामहपुविषुयापयमानायुमिहिलवीताममानगतालाऊ
काधवाकनयदयन॥हयमिहिनदादावकलयालविश्वदनसंवाकायप्रमान
कयालहियागुलयालयाहमनियशवाकनसहसनकलहावाकनमदुधामुन

दादिवाकानवाना॥॥युमिहिलउवाच॥यरुविश्वमनकलासर्वविषुगहगता
गुहचयिलुविठयकथमविषुययत॥यरुविश्वमजातकनववकाथथ०गा
समस्तवाकनयनिमस्वतदावगुहसगताकनय॥॥पार्तगक्रियगकर्मव
थयरुविधीयताचिनयतश्लातखययजमानायुमिहिनमीधवाअजजातिन
मनश्वाहाककावजवलाउडयिदराथकावगथहयययकविर्तनलयाव
॥॥वाअलजातिमीशालसलायसलराविन॥संगलचवरावनगगुहदोहव

रुथायाचिष्टात्रागतादाजयन्तु ह्याकलागियादाद प्रवर्तय्योक्त सर्वच निरुल
 हवन्त॥ यवाकुत्तवहृयादावैकर्मयायलाकसुगथलायकसुहालसथधि
 दक्रावेगथहिरयाययाचिष्ट दा लसवानववयन्तु ह्यालोकका सिमनकाद
 ता यरुयादानसुत निरुलजा गाचनवर्क॥ ॥ त्रुमीधउवावा॥ ब्रह्मनेवनया
 चिष्टात्रनगयायकर्मनाहयकचयपि ह्यागासावायीष्ठानलाधीयभादया २
 चिष्टमयूत्रनगकर्मयादानहाममयाकअडमयाकधकाजाजायाचिष्टयाय

॥ ॥ पुस्तकवर्तमानवाक्यपथवाक्यनिवदयन्तु। सत्यसत्यमयाउक्तममदायनदी
 यत॥ त्रुवहृलसयावजनखाहायागथमीगसथानात्रुथुनाययादा। निरु
 रवाहृथजनहायाजदायमद॥ ॥ त्रामादाकार्ककीचेवमादीवेऽभमीकफ
 था। ह्यानदाननकर्तव्यसायाचिष्टानलाधिय॥ त्रामादेयायुर्निमाकद्रुउग
 मादनदगुलायूवकार्किकयुर्निमाकद्रुहिकान॥ दगुलायूवधसाय
 यायुर्निमाकद्रुमदनदगुलायूवधगयवकालसह्यानदानमयाकका

[illegible][illegible]

[illegible]